# चक्रवात अकवान: 20 नवंबर को नेल्लोर-टुनी के बीच तट पार करने का पूर्वानुमान; तीन राज्यों में अलर्ट



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

## खबरों में क्यों

बंगाल की खाड़ी का **गहरा निम्न दबाव (deep depression)** 16 नवंबर 2026 की शाम तक चक्रवाती तूफ़ान **"अकवान" (Akvan)** बनने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार यह 17 नवंबर की शाम तक **गंभीर चक्रवाती तूफ़ान** और आगे बढ़कर **20 नवंबर को दोपहर तक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफ़ान** के रूप में **नेल्लोर और टुनी के बीच आंध्र प्रदेश-यानम तट** से टकराएगा; अधिकतम सतत हवाएँ **120-130 किमी/घंटा, झोंके 145 किमी/घंटा** तक होंगे। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में अलर्ट है; ओडिशा ने निकासी (evacuation) के आदेश दिए हैं और मछुआरों को **20 नवंबर तक समुद्र में न जाने** को कहा गया है।

## IMD बुलेटिन के मुख्य तथ्य

- **वर्तमान स्थिति (16 नवंबर, सुबह 8:30):** दक्षिण-पूर्व और आसन्न दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर केंद्रित, 11.2°N अक्षांश, 86.4°E देशांतर के पास - त्रिंकोमली (श्रीलंका) से ~630 किमी पूर्वोत्तर, चेन्नई से ~700 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम से ~800 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, गोपालपुर (ओडिशा) से ~910 किमी दक्षिण।
- **गति और दिशा:** पिछले 6 घंटों में 6 किमी/घंटा से उत्तर-उत्तर-पश्चिम; 16 नवंबर की शाम चक्रवाती तूफ़ान, 17 नवंबर की शाम गंभीर चक्रवाती तूफ़ान, फिर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम बढ़कर 20 नवंबर दोपहर तक लैंडफ़ॉल।
- **प्रभाव-क्षेत्र:** नेल्लोर से टुनी तक लगभग **500 किमी तट** - आंध्र प्रदेश की 1,053 किमी तटरेखा का लगभग आधा; मछलीपट्टनम लगभग बीच में।
- **समुद्री स्थिति:** 16 नवंबर से तट पर 50-60 किमी/घंटा की हवाएँ शुरू; 17 नवंबर तक समुद्र खराब से बहुत खराब, उसके बाद और बिगड़ेगा।
- **पूर्व-चक्रवात निगरानी (pre-cyclone watch):** आंध्र प्रदेश और आसन्न दक्षिण ओडिशा तट के लिए जारी; ज़िला प्रशासन हाई-अलर्ट पर, अपतटीय कार्यों पर पूर्ण रोक की सलाह।

## पृष्ठभूमि: इसी सीज़न के पहले तूफ़ान

इसी मौसम में बहुत गंभीर चक्रवात **अरनब** नरसापुर (मध्य आंध्र) के पास और गंभीर चक्रवात **मुरासु** ओंगोले (दक्षिण आंध्र) के पास टकरा चुके हैं। विशाखापत्तनम ज़िले में अरनब से मत्स्य-क्षेत्र को **307 लाख रुपये** की क्षति (123 लाख आंशिक, 184 लाख पूर्ण) का आकलन हुआ; मछुआरे अभी मुआवज़े का इंतज़ार कर रहे हैं। कृष्णा ज़िले (मछलीपट्टनम) के पास विनाशकारी **1977 दिविसीमा चक्रवात** का इतिहास है।

## परीक्षा की दृष्टि से

- **नामकरण:** उत्तरी हिंद महासागर के चक्रवातों के नाम **WMO/ESCAP पैनल** के 13 सदस्य-देशों की सूची से क्रमशः दिए जाते हैं; IMD क्षेत्रीय विशेषज्ञ मौसम केंद्र (RSMC नई दिल्ली) के रूप में नाम और निगरानी देता है।
- **तीव्रता-श्रेणियाँ:** डिप्रेशन < डीप डिप्रेशन < चक्रवाती तूफ़ान < गंभीर < बहुत गंभीर < अत्यंत गंभीर < सुपर चक्रवाती तूफ़ान - हवा की गति पर आधारित IMD की स्केल।
- **भूगोल:** बंगाल की खाड़ी में चक्रवात-निर्माण की स्थितियाँ - गर्म सागर-तापमान, कम vertical wind shear, कोरिओलिस बल।

## प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न 1:** IMD के 16 नवंबर 2026 के पूर्वानुमान के अनुसार चक्रवात अकवान के लैंडफ़ॉल की स्थिति और समय क्या है?

(a) विशाखापत्तनम-गोपालपुर के बीच, 18 नवंबर की रात

(b) नेल्लोर-टुनी के बीच, 20 नवंबर की दोपहर तक

(c) चेन्नई-पुदुच्चेरी के बीच, 19 नवंबर की सुबह

(d) पारादीप-बालासोर के बीच, 21 नवंबर की शाम

उत्तर और व्याख्या

**उत्तर: (b)** IMD के अनुसार अकवान 20 नवंबर को दोपहर तक नेल्लोर और टुनी के बीच आंध्र प्रदेश-यानम तट पार करेगा; हवाएँ 120-130 किमी/घंटा, झोंके 145 किमी/घंटा।

**प्रश्न 2:** उत्तरी हिंद महासागर के चक्रवातों के नामकरण हेतु RSMC के रूप में कौन-सा संस्थान कार्य करता है?

(a) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)

(b) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), नई दिल्ली

(c) भारतीय महासागर सूचना केंद्र (INCOIS)

(d) राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (NCMRWF)

उत्तर और व्याख्या

**उत्तर: (b)** IMD नई दिल्ली WMO का क्षेत्रीय विशेषज्ञ मौसम केंद्र (RSMC) है जो बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के चक्रवातों की निगरानी और नामकरण करता है।

## मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न:** बढ़ती चक्रवात-आवृत्ति के दौर में भारत के पूर्वी तट पर आपदा-तैयारी की व्यवस्था का मूल्यांकन कीजिए। चक्रवात अकवान के अग्रिम प्रबंधन के संदर्भ में सुधार के क्षेत्र सुझाइए। (250 शब्द)

**रूपरेखा:** भूमिका - अकवान का पूर्वानुमान; तैयारी के स्तंभ - अग्रिम चेतावनी (IMD/RSMC), निकासी, मछुआरा-रोक, आपदा-बल; कमज़ोरियाँ - मुआवज़े में देरी (अरनब), आजीविका-क्षति; सुझाव - लचीला बुनियादी ढाँचा, जोखिम-बीमा, समुदाय-भागीदारी; निष्कर्ष - पूर्वानुमान-आधारित कार्रवाई का महत्व।

## FAQ

**संक्षिप्त उत्तर:** IMD के अनुसार बंगाल की खाड़ी का गहरा निम्न दबाव 16 नवंबर की शाम चक्रवात अकवान बनेगा, 17 नवंबर तक गंभीर होगा और 20 नवंबर की दोपहर तक नेल्लोर-टुनी के बीच बहुत गंभीर चक्रवात (120-130 किमी/घंटा, झोंके 145) के रूप में तट पार करेगा; तीन राज्यों में अलर्ट जारी है।

### प्रश्न: चक्रवात अकवान अभी कहाँ है और किस दिशा में बढ़ रहा है?

16 नवंबर सुबह 8:30 बजे यह चेन्नई से ~700 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व और विशाखापत्तनम से ~800 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में 11.2°N, 86.4°E के पास केंद्रित था; 6 किमी/घंटा की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम में बढ़ रहा है, बाद में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम मुड़ेगा।

### प्रश्न: किन क्षेत्रों के लिए क्या एहतियाती कदम उठाए गए?

आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तट के लिए IMD की पूर्व-चक्रवात निगरानी जारी; ज़िला प्रशासन हाई-अलर्ट पर; मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में न जाने की हिदायत; ओडिशा में निकासी के आदेश; अपतटीय कार्यों पर रोक की सलाह।

### प्रश्न: चक्रवातों के नाम कैसे तय होते हैं?

उत्तरी हिंद महासागर के चक्रवातों के नाम WMO/ESCAP पैनल के 13 सदस्य-देशों की तैयार सूची से क्रमवार लिए जाते हैं; नामकरण और निगरानी की ज़िम्मेदारी IMD नई दिल्ली (RSMC) की होती है।

## स्रोत


- द हिंदू (16 नवंबर 2026): IMD पूर्वानुमान - लैंडफ़ॉल 20 नवंबर; IMD बुलेटिन का पूरा पाठ समेत (IMD आधिकारिक एजेंसी)
- IMD (आधिकारिक): चक्रवात बुलेटिन और pre-cyclone watch
- इंडिया टुडे (16 नवंबर 2026): ट्रैकर - तीन राज्यों में अलर्ट, 145 किमी/घंटा झोंके